**CLASS : 12th (Sr. Secondary)** **3664/3614**
**Series : SS-M/2018**
Total No. of Printed Pages : **48** ***SET : A, B, C & D***

# MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

## POLITICAL SCIENCE

***ACADEMIC/OPEN***

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

***उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।***

***General Instructions :***

*(i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

*(ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

*(iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

*(iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

*(v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation*

*and enhance the reputation of the Institution.*

*(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded part wise.*

*(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.*

*(viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.*

*(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.*

*(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.*

*(xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.*

***महत्त्वपूर्ण निर्देश :***

*(i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।*

*(ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।*

*(iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।*

*(iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।*

*(v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाएँ।*

*(vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/Guidelines दी जा रही हैं, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।*

***सामान्य निर्देश :***

(i) मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर के अतिरिक्त भी यदि परीक्षार्थी ने अपनी अभिव्यक्ति सही रूप में अन्य रूप से स्पष्ट की है तो भी आप उसे पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।

(ii) मूल्यांकन कार्य में केवल बिन्दुओं को ही महत्त्व न दें, बल्कि विषय वस्तु को भी बराबर महत्त्व दें।

(iii) प्रश्न-पत्र में सामान्य निर्देश में दर्शाये गये शब्द सीमा का भी मूल्यांकन कार्य में ध्यान रखें।

(iv) सटीक एवं सही उत्तर को मूल्यांकन कार्य का आधार मानते हुए, शून्य से पूर्णांक तक का अंक पैमाना रखने में संकोच न करें।

(v) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर में केवल एक उत्तर को ही सही करें।

(vi) उत्तर, पूछे गए प्रश्नों के अनुसार ही होना चाहिए।

(vii) लघूत्तरात्मक प्रश्नों में जितने points पूछे गए हैं। उतने ही जाँचें। जो उत्तर प्रश्न के बहुत नजदीक हो व स्पष्ट हो, उसे ही ठीक किया जाएँ।

(viii) निबन्धात्मक प्रश्नों में विद्यार्थी के सामान्य ज्ञान का भी ध्यान रखा जाएँ।

**SET – A**

**1.** ***वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :***

(i) (ग) वर्ष 1960 में

(ii) (ग) वर्ष 1967 में

(iii) (क) इंदिरा गाँधी

(iv) (क) 1971

(v) (घ) गुजरात

(vi) (ख) अकाली दल

(vii) (घ) 1991 में

(viii) (घ) सन् 1917 में $8 \times 1 = 8$

***एक शब्द में उत्तर दें :***

(ix) उत्तराखण्ड (पहले उत्तर प्रदेश)

(x) वर्ष 1990 में

(xi) पाकिस्तान का

(xii) वर्ष 2003 में $4 \times 1 = 4$

***रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :***

(xiii) भारत और चीन

(xiv) वर्ष 1992 ई०

(xv) 10 दिसम्बर

(xvi) सन् 2001 $4 \times 1 = 4$

***अतिलघु प्रश्नों के उत्तर :***

**2.** देश के विभाजन के समय लॉर्ड माऊंट बेटन देश के गवर्नर जनरल थे। 2

**3.** श्री लाल बहादुर शास्त्री। 2

**4.** सन् 1969 में हुआ राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 2

**5.** (i) चिपको आन्दोलन

(ii) नर्मदा बचाओं आन्दोलन 2

**6.** क्षेत्रीयवाद से अभिप्राय एक देश में या देश के किसी भी अन्य भाग में उस छोटे से क्षेत्र से हैं जो अपनी आर्थिक, भौगोलिक तथा

सामाजिक आदि कारणों से अपने पृथक अस्तित्व की माँग करता है। क्षेत्रीयवाद केन्द्रीयकरण के विरुद्ध क्षेत्रीय इकाईयों को अधिक शक्ति एवं स्वायत्तता प्रदान करने के पक्ष में है। 2

**7.** (i) निजी स्वामित्व एवं निजी संपत्ति के सिद्धान्त पर

(ii) मुक्त व्यापार के सिद्धान्त पर 2

**8.** चीन में खेती एवं उद्योगों का निजीकरण क्रमशः सन् 1982 एवं सन् 1998 में किया गया। 2

**9.** (i) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा की स्थापना करना। 2

(ii) मानवाधिकारों व मौलिक स्वतन्त्रताओं के सम्मान को बढ़ावा देना।

**10.** (i) स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन करना।

(ii) बीमारियों का उन्मूलन करना।

**11.** किसी एक मजहब, पंथ अथवा सम्प्रदाय के लोगों द्वारा दूसरे सम्प्रदायों के लोगों के विरुद्ध भेदभाव या घृणा का रवैया अपनाना अथवा उसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन करना साम्प्रदायिकता कहलाता है।

***लघु प्रश्नों के उत्तर : (मूल-बिन्दुओं के आधार पर)***

**12.** (i) **जीवन का स्तर :** लोगों के रहन-सहन का विकास हो।

(ii) **प्रकृति का दोहन :** प्रकृति के शोषण को रोका जा सके।

(iii) **दरिद्र की सहायता :** वास्तविक विकास तब ही होगा जब दरिद्र का विकास होगा। 4

**13.** (i) देश के संसाधनों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए देश के विकास के लिए योजनाएँ तैयार करना।

(ii) विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्राथमिकता को निर्धारित करना।

(iii) योजनाओं की प्रगति का समय-समय पर मूल्यांकन करना।

(iv) आर्थिक विकास के बाधक कारकों का पता लगाना। 4

**14.** (i) महिलाओं के लिए संविधान और कानूनों में दिए गए संरक्षणों को प्रभावशाली रूप से लागू करने के लिए सरकार को आवश्यक कदम उठाने के लिए सिफारिश करना।

(ii) स्त्रियों के विरुद्ध अत्याचारों और भेदभावों से उत्पन्न हुई समस्याओं का अध्ययन करवाना और उन्हें हल करने का परामर्श।

(iii) महिलाओं को सामूहिक तौर पर प्रभावित करने वाली मुकदमेबाजी के लिए आर्थिक सहायता देना।

(iv) स्त्रियों के विकास को रोकने वाले तथ्यों की पहचान करना तथा उन्हें दूर करने के लिए सरकार को परामर्श देना। 4

**15.** (i) गठबंधन सरकार में कम से कम या दो से अधिक राजनैतिक दलों की मिली-जुली सरकार गठिन होती है।

(ii) गठबन्धन सरकार में शामिल सभी राजनीतिक दलों के द्वारा एक सर्वसम्मत नेता का चयन किया जाता है जिसके नेतृत्व में साझा सरकार का गठन होता है।

(iii) गठबन्धन सरकार मूलतः न्यूनतम राजनीतिक कार्यक्रम एवं समझौते पर आधारित होती है।

(iv) गठबन्धन सरकार में सभी घटक दल मिल-जुलकर कार्य करते हैं।

(v) गठबन्धन एक अस्थायी प्रबन्ध होता है जिसमें शामिल सभी दल अवसर का लाभ उठाने एवं अपने राजनैतिक स्वार्थ की पूर्ति एवं शान्ति में वृद्धि करने के प्रयास में रहते हैं।

(vi) गठबन्धन सरकार में शामिल सभी राजनैतिक दल ऐसी नीतियों एवं सिद्धान्तों को तिलांजलि करने के लिए तैयार हो जाते हैं जिनमें उनका परस्पर विरोध होता है। 4

**16.** (i) **शीतयुद्ध का अन्त :** 1990 के बाद पूर्वी यूरोप में न केवल साम्यवादी शासन का प्रभाव कम हुआ अपितु साम्यवादी दलों पर भी प्रतिबन्ध लगा दिया गया। सोवियत संघ का विघटन हुआ वह महाशक्ति नहीं रहा।

(ii) **एक ध्रुवीय विश्व :** साम्यवाद के पूर्वी यूरोप से प्रभाव एवं सोवियत संघ के विघटन के बाद विश्व में केवल एक ही महाशक्ति अमेरिका रह गया। अमेरिका के बढ़ते प्रभाव और दबदबे से वह एक ध्रुवीय विश्व बन गया है।

(iii) **विचारधारात्मक एकलवाद का उदय एवं विस्तार :** समाजवादी सोवियत संघ के विघटन तथा पूर्वी यूरोप के देशों में समाजवादी शासनों के पतन के बाद साम्यवाद की विचारधारा का गहरा आघात पहुँचा। इसके साथ-साथ विश्व भर में उदारीकरण, उदारवाद, लोकतंत्र, विकेन्द्रीकरण तथा बाजार अर्थव्यवस्था के अपनाए जाने से साम्यवाद की लोकप्रियता कम हो गयी। और लोकतंत्रीकरण विकेन्द्रवाद, शान्तिपूर्ण सह अस्तित्व के सर्वमान्य सिद्धान्त, विचारधारात्मक एकलवाद का उदय व विस्तार में सफल है।

(iv) **एशिया में इस्लामिक कट्टरवादी राजनीति का उदय :** केन्द्रीय एशिया व पश्चिमी एशिया के आठ तथा पाकिस्तान ने मिलकर आर्थिक सहयोग संगठन ECO की स्थापना की है यह इन इस्लामिक देशों का आर्थिक संगठन है जिसमें सहयोग का आधार धार्मिक सम्बन्ध ही है। इससे विश्व के अन्य भागों में भी कट्टरवादी शक्तियों को दृढ़ किया है। इससे अमेरिका व दूसरे पश्चिमी देशों के प्रति उनकी विदेश नीति भी परिवर्तित हुई है।

(v) **नव-उपनिवेशवाद की उभरती प्रवृत्तियाँ :**

(vi) **जर्मनी का एकीकरण :**

कोई ***चार*** परिणाम 4

**17.** (i) चीन की आर्थिक विकास दर में तेजी से वृद्धि हुई है जो विश्व में सबसे अधिक कही जा सकती है।

(ii) चीन की कृषि उत्पादकता में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(iii) चीन में ग्रामीण उद्योगों में तेजी से विकास के साथ-साथ औद्योगीकरण की प्रक्रिया में वृद्धि हुई है।

(iv) विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना के कारण विदेशी पूँजी निवेश में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(v) विदेशी व्यापार में भी वृद्धि हुई है।

इसके अतिरिक्त यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि चीन के निरन्तर आर्थिक विकास से प्रभावित होकर ही दुनिया के अन्य देश जैसे- अमेरिका, जापान, रूस एवं आसियान आदि देश भी चीन के साथ अपने सम्बन्धों को व्यावसायिक साझीदार के रूप में निरन्तर सुधारने में प्रयासरत है। 4

**18.** (i) प्रभुसत्ता सम्पन्न राज्यों का औपचारिक संगठन

(ii) सदस्यों की समानता

(iii) स्थायी अभिकरणों व प्रक्रियाओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का संचालन

(iv) राष्ट्रीय हितों की वृद्धि के लिए अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में नीतियों का प्रयोजन। 4

**19. पर्यावरण प्रदूषण के लिए उत्तरदायी कारण :**

(i) वनों की कटाई तथा भू-क्षरण

(ii) निरन्तर बढ़ती हुई जनसंख्या

(iii) शहरीकरण

(iv) अत्यधिक ऊर्जा का प्रयोग

(v) स्वच्छ जल की कमी

(vi) ओजोन गैस की कमी

(vii) समुद्रतटीय क्षेत्रों में प्रदूषण

कोई ***चार*** कारण 4

**निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर**

**20.** राष्ट्र निर्माण को बनाए रखने के लिए मार्ग की बाधाओं को दूर करना अनिवार्य है अन्यथा देश की एकता व अखंडता खतरे में पड़ जाएगी। दूर करने के लिए उपाय :

(i) **सामाजिक समानता :** पिछड़े वर्ग और हरिजनों में किसी प्रकार की हीनता न रहे उन्हें कानूनी संरक्षण दिया जाएँ।

(ii) **समस्याओं का शीघ्र से शीघ्र निराकरण :** समस्या चाहे भाषा से सम्बन्धित हो या अर्थ से सम्बन्धित या कोई अन्य, उसका शीघ्र से शीघ्र निराकरण होना चाहिए।

(iii) **संकीर्ण भावनाओं को दूर करने के प्रयत्न :** उदार शिक्षा, समाचार-पत्र, पत्रिकाओं और प्रचार के साधनों द्वारा लोगों में उदार दृष्टिकोण का विकास किया जाना चाहिए।

(iv) **भ्रष्टाचार को दूर करना :** भाई भतीजावाद बंद होना चाहिए।

(v) **राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान :** भारतीय राष्ट्रीय झंडे और राष्ट्रीय गीत का सम्मान करें।

(vi) **आर्थिक समानता की स्थापना :** ऐसी आर्थिक नीति अपनाई जानी चाहिए जिससे गरीबी और बेरोजगारी दूर हो, जिससे धन का उचित वितरण हो।

(vii) **प्रशासन में जनता का विश्वास होना :** प्रशासनिक क्षेत्र में मंत्री, सरकारी कर्मचारी, ईमानदार, निष्पक्ष और कार्यकुशल हो।

(viii) **राष्ट्रीय संस्कृति का विकास :** एक राष्ट्रीय संस्कृति का विकास होने से सामाजिक, भावनात्मक और राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहन।

(ix) समुचित शिक्षा प्रणाली।

(x) सिद्धान्तों पर आधारित राजनीति।

(xi) संतुलित आर्थिक विकास।

(xii) साम्प्रदायिक संगठनों पर प्रतिबन्ध। 8

**अथवा**

राष्ट्र निर्माण का अर्थ साधारण शब्दों में है कि यह एक प्रक्रिया है जो पूरे राष्ट्र में एकता की भावना पैदा करती है। यह प्रक्रिया पूरे राष्ट्र के लिए निष्ठा का केन्द्र विकसित करती है। यह वह प्रक्रिया है जो लोगों में जातीय, क्षेत्रीय, धार्मिक, भाषायी, सांस्कृतिक जैसी

अनेक भावनाओं को समाप्त करके राष्ट्र के प्रति निष्ठा को जागृत करती है। (कोई ***दो*** परिभाषाएँ)

**राष्ट्र निर्माण के तत्त्व :**

(i) राष्ट्रीय स्वतन्त्रता।

(ii) उचित सार्वजनिक सत्ता।

(iii) राष्ट्रीय भावना।

(iv) विभिन्नता में एकता की स्थापना।

**21.** पर्यावरण सम्बन्धी विषय बहुत गम्भीर है क्योंकि इसके समाधान के बिना विश्व भयानक बन जाएगा जिससे व्यक्ति के लिए जीना कठिन हो जाएगा। आज लगभग सभी देशों ने स्वावलम्बनात्मक या पोषणकारी विकास की अवधारणा को अपने राजनीतिक मुद्दों में शामिल कर लिया है। संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएँ पर्यावरण के संरक्षण में प्रयत्नशील हो चुकी हैं।

(i) **गाँधी जी के विचार :** उन्होंने बड़े-बड़े उद्योगों का विरोध किया और कुटीर तथा छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देने पर जोर दिया है। कुटीर उद्योगों के लगाने से प्रदूषण सम्बन्धी समस्याएँ पैदा नहीं होगी।

(ii) **आवश्यकताओं में कमी करना :** यह तभी सम्भव है जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं को फैलने न दें उन्हें अपनी आर्थिक दशा के अनुरूप रखे और कृत्रिम जीवन स्तर की ओर आकर्षित न हो।

(iii) **जनसंख्या नियंत्रण :**

(iv) **वन संरक्षण :** इससे न केवल प्राकृतिक सम्पदा की रक्षा होगी बल्कि भूमि कटाव पर भी नियन्त्रण होगा और बाढ़ों को रोकना आसान हो जाएगा।

(v) **वन्य जीवन का संरक्षण :** वनों की भान्ति पशु-पक्षियों तथा कीट-पतंगों का भी पर्यावरण के संतुलन में महत्त्वपूर्ण स्थान है। ये जीव न केवल वनस्पति की रक्षा करते हैं बल्कि कृषि योग्य भूमि को उपजाऊ बनाने से लेकर कृषि उत्पादों की रक्षा भी करते हैं।

(vi) साफ-सुथरी तकनीक को अपनाना।

(vii) जनता को पर्यावरण सम्बन्धी शिक्षा देना

(viii) **अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग :** संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा इसकी एंजेसियाँ इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। भारत ने विभिन्न राष्ट्रों-अमेरिका, इंग्लैण्ड, नार्वे तथा स्वीडन के साथ कुछ समझौते किए हुए हैं। 8

**अथवा**

**वैश्वीकरण का आर्थिक पहलू :** वैश्वीकरण ने विश्व की अर्थव्यवस्था को बहुत प्रभावित किया।

(i) **वस्तुओं, सेवाओं और पूँजी का स्वतंत्र प्रवाह :** इसने दुनिया के विभिन्न देशों के बीच आर्थिक प्रवाह तेज किया। विदेशी कम्पनियाँ अन्य देशों के बाजारों में स्वतंत्र रूप से अपनी

वस्तुओं और सेवाओं को बेचती हैं। उद्योगपति और पूँजीपति कहीं भी पूँजी का निवेश कर सकते हैं।

(ii) **व्यापार में वृद्धि :** पहले आयात पर प्रतिबन्ध लगाये जाते थे लेकिन अब इन प्रतिबन्धों को काफी कम कर दिया। संचार क्षेत्र में आयी क्रान्ति ने कहीं भी पूँजी निवेश को बढ़ावा दिया है।

(iii) **व्यक्तियों की गतिशीलता :** अधिक वेतन पाने के लिए लोग एक देश में आ जा सकते हैं परन्तु वैश्वीकरण के कारण जिस सीमा तक वस्तुओं और पूँजी का प्रवाह बढ़ा है उस सीमा तक लोगों की आवाज ही नहीं बढ़ सकी।

(iv) **अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाओं की भूमिका में वृद्धि :** इन सबके लिए अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठनों जैसे – अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष, विश्व बैंक और विश्व व्यापार संगठन आदि ने वैश्वीकरण की नीतियों को लागू करने में अहम भूमिका निभाई है। 8

## SET – B

1. *वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :*

(i) (ख) मुस्लिम लीग ने

(ii) (ख) मार्च 1977 में

(iii) (घ) चुनाव आयोग को

(iv) (ग) 1966 में

(v) (ख) कांग्रेस पार्टी

(vi) (क) मायावती

(vii) (घ) सन् 1999 में

(viii) (ग) बहुदलीय प्रणाली $8 \times 1 = 8$

***एक शब्द में उत्तर दें :***

(ix) आन्ध्र प्रदेश

(x) 13 दिसम्बर 2003 में

(xi) नाईन इलेवन (9/11)

(xii) वर्ष 1991 में $4 \times 1 = 4$

***रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :***

(xiii) मैकमोहन रेखा

(xiv) 2006

(xv) जनसंख्या

(xvi) आतंकवाद $4 \times 1 = 4$

***अतिलघु प्रश्नों के उत्तर :***

**2.** भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत भारत को स्वतन्त्रता प्राप्त हुई। 2

**3.** श्रीमती इंदिरा गाँधी 2

**4.** मंडल आयोग ने राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट सन् 1980 में पेश की थी। 2

**5.** (i) अकाली दल

(ii) मुस्लिम लीग 2

**6.** (i) हमारी बहुदलीय प्रणाली देश की एकता व अखंडता के लिए खतरा उत्पन्न करती है। दलों की संकीर्ण भावना के कारण देश में फूट पड़ती है तथा एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या की भावना बढ़ती है।

(ii) भ्रष्टाचार की भावना को बढ़ावा मिलता है। 2

**7.** (i) राज्य नियंत्रित अर्थव्यवस्था

(ii) राज्य द्वारा लोगों को मूल सुविधाओं की आपूर्ति। 2

**8.** (i) मलेशिया

(ii) सिंगापुर

(iii) इण्डोनेशिया

(iv) फिलिपीन्स

(v) थाईलैंड

(vi) कम्बोडिया

(vii) लाओस

(viii) वियतनाम

(ix) म्यांमार

(x) दारुस्लम 2

**9.** 13 दिसम्बर, 2001 में 2

**10.** **वैश्विक तापवृद्धि :** विश्व स्तर पर तापमान में लगातार होने वाली वृद्धि, जिसके कारण विश्व का वातावरण लगातार गर्म होता जा रहा है। 2

**11.** वचनबद्ध नौकरशाही से तात्पर्य यह है कि नौकरशाही किसी विशिष्ट राजनीतिक दल के सिद्धान्तों तथा नीतियों से बंधी हुई रहती है और उस दल के निर्देशन में ही कार्य करती है। प्रतिबद्ध

नौकरशाही निष्पक्ष तथा स्वतन्त्र होकर कार्य नहीं करती बल्कि इसका कार्य किसी दल विशेष की योजनाओं को बिना कोई प्रश्न उठाए आँखें मूंदकर लागू करना होता है।

***लघु प्रश्नों के उत्तर : (मूल-बिन्दुओं के आधार पर)***

**12.** (i) कृषि में वृद्धि व विस्तार।

(ii) द्वि पैदावार का तत्त्व : अर्थात् प्रतिवर्ष एक मौसम फसल के स्थान पर दो मौसम फसल पैदा की जाएँ।

(iii) सिंचाई की सुविधाओं में विस्तार।

(iv) रासायनिक खादों का प्रयोग।

(v) **कृषि का मशीनीकरण :** कृषकों को कृषि के लिए मशीनरी खरीदने के लिए अनुदान दिया गया। 4

**13.** (i) कश्मीर का मामला दोनों देशों के बीच तनाव का कारण है। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है जिसे पाकिस्तान स्वीकार नहीं करता।

(ii) भारत द्वारा सन् 1998 में परमाणु बम का परीक्षण किया जाना।

(iii) पाकिस्तान का भारत विरोधी प्रचार और आतंकवादी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण, धन तथा अन्य सभी प्रकार की सहायता देना।

(iv) पाकिस्तान द्वारा अमेरिका तथा चीन से सैनिक हथियार तथा अन्य सहायता प्राप्त करना जिसका प्रयोग वह भारत के खिलाफ ही करता है। 4

**14.** (i) राष्ट्रीय एकता को पुष्ट करना।

(ii) सभी क्षेत्रों का संतुलित आर्थिक विकास।

(iii) सभी वर्गों के हितों की सुरक्षा।

(iv) शैक्षणिक संस्थाओं में सुधार। 4

**15.** (i) आतंकवाद की चुनौती।

(ii) अविश्वासपूर्ण वातावरण।

(iii) अस्वस्थ प्रतिस्पर्द्धात्मक रवैया।

(iv) अनुपात की समस्या। 4

**16.** (i) अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद।

(ii) प्रतिकूल विश्व जनमत।

(iii) अफगानिस्तान एवं इराक में असफलता। 4

**17.** (i) साझा बाजार को प्रोत्साहन करना।

(ii) सांस्कृतिक सहयोग एवं सामाजिक कल्याण पर बल देना।

(iii) मुक्त व्यापार क्षेत्र की स्थापना हेतु प्रयास करना।

(iv) असैनिक क्षेत्र में सहयोग देना। 4

**18.** **प्रवासन** : लोग अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने, शोषण और पर्यावरणीय संकट से बचने के लिए एक जगह से दूसरी जगह की ओर प्रवास करते हैं। संचार और यातायात के साधनों के विकास के कारण एक देश से दूसरे देश में जाना अब अधिक आसान हो गया, इसे प्रवासन कहते हैं। विकसित देशों से विकासशील देशों की ओर हो रहे रोजगार के संक्रमण के कारण भी प्रवासन को प्रोत्साहन मिल रहा है।

**कारण :**

(i) गरीबी के कारण

(ii) गृहयुद्ध और अशान्ति के कारण

(iii) राजनीति उत्पीड़न के कारण 4

**19.** (i) कृषि भूमि की कमी हो रही है क्योंकि गाँवों को आपस में तथा शहरों से जोड़ने के प्रयास में सड़कों के जाल बिछाऐं जा रहे हैं। कृषि योग्य भूमि पर मकान व कारखाने बनाये जा रहे हैं।

(ii) **भूमि की उत्पादकता में कमी :** कारखानों से निकलने वाली जहरीली गैस तथा गन्दे व जहरीले पान से भूमि की उत्पादकता प्रभावित हो रही है।

(iii) जल प्रदूषण तथा पीने के शुद्ध पानी का अभाव।

(iv) **वायु प्रदूषण :** सांस लेने के लिए शुद्ध हवा उपलब्ध नहीं, गाड़ियों का धुआ, कारखानों का जहरीला धुआँ, गैसें, ताप बिजली घरों से निकलने वाली राख वायुमंडल को प्रभावित कर रहा है। 4

**निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर :**

**20. भारत की दलीय प्रणाली की मुख्य विशेषताएँ :**

(i) बहु दलीय प्रणाली

(ii) एक राजनीतिक दल की प्रधानता की व्यवस्था की समाप्ति

(iii) प्रभावशाली विरोधी दल का उदय

(iv) जनता के साथ कम सम्पर्क

(v) अवसरवाद की प्रवृत्ति

(vi) सुस्पष्ट विचारधारा का अभाव

(vii) राजनीतिक दलों में लोक तन्त्र का अभाव

(viii) सेवा भावना का अभाव

(ix) गठबन्धनों की राजनीति

(x) स्पष्ट संवैधानिक व्यवस्था का अभाव 8

**अथवा**

जो दल चुनाव में बहुमत प्राप्त करता है वह सत्तारूढ़ दल होता है और जो दल हार जाता है वह विरोधी दल कहलाता है। भारत में संगठित विरोधी दल का सदा अभाव रहा है। विपक्षी की भूमिका है :

(i) संगठित विपक्ष का अभाव

(ii) कमजोर विपक्ष

(iii) बेहतर स्थिति

(iv) संगठित विपक्ष की ओर

**21.** 25 वर्ष पहले एक नये प्रकार के वैश्वीकरण का उदय हुआ। बाजारों, संस्कृतियों, लोगों और राज्यों का इतनी मात्रा में जुड़ाव आज से पहले कभी देखने को नहीं मिला।

(i) साम्यवादी व्यवस्था का पतन

(ii) एक ध्रुवीय व्यवस्था की स्थापना

(iii) तकनीकी विकास

(iv) राष्ट्रों की पारस्परिक निर्भरता

(v) आर्थिक विकास

(vi) उदार नीतियाँ

(vii) महाशक्ति का उदय

(viii) विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय समस्याएँ

(ix) **विभिन्न घटनाओं का विश्वव्यापी प्रभाव :** यातायात व संचार की प्रगति की वजह से घटनाओं का प्रभाव राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रहता वह सीमाओं को पार करके अन्य राष्ट्रों तक पहुँचता है। 8

**अथवा**

(i) कृषि योग्य भूमि में बढ़ोत्तरी न होना

(ii) स्वच्छ जल की कमी

(iii) वनों की कटाई

(iv) ओजोन गैस की कमी

(v) समुद्रतटीय क्षेत्रों में प्रदूषण 8

## SET – C

**1.** ***वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :***

(i) (क) वर्ष 1952 में

(ii) (क) मई 1964 में

(iii) (ग) श्रीमती इंदिरा गाँधी

(iv) (घ) श्री जयप्रकाश नारायण

(v) (ख) मई 1977 में

(vi) (ग) सन् 2004 में

(vii) (घ) 1945 ई० में

(viii) (क) 1 जनवरी 1995 8 × 1 = 8

***एक शब्द में उत्तर दें :***

(ix) जम्मू-कश्मीर

(x) मित्रता सन्धि वर्ष 1971 में

(xi) साम्यवादी दल का

(xii) ओसामा-बिन-लादेन (तालिवान) 4 × 1 = 4

***रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :***

(xiii) श्री नवाज़ शरीफ

(xiv) विभाजन

(xv) सन् 1974

(xvi) संयुक्त राज्य अमेरिका $4 \times 1 = 4$

***अतिलघु प्रश्नों के उत्तर :***

**2.** चुनाव उस प्रक्रिया को कहते हैं, जिसके द्वारा मतदाता एक निश्चित अवधि के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। 2

**3.** आपातकालीन संविधान का एक ऐसा प्रावधान है जिसमें देश पर बाहरी आक्रमण युद्ध या सशस्त्र विद्रोह होने की आशंका होती है तो सरकार को यह अधिकार होता है कि वह देश में राष्ट्रीय आपातकाल लागू कर दें। आपातकाल के दौर में शक्तियों के बंटवारे को संघीय ढाँचा व्यावहारिक तौर पर निष्प्रभावी हो जाता है और सारी शक्तियाँ केन्द्र सरकार के हाथों में एकत्रित होने से एकात्मक रूप में बदल जाती हैं। 2

**4.** गाय तथा बछड़े के निशान पर 2

**5.** प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की हत्या 31 अक्टूबर 1984 को उन्हीं के अंगरक्षकों संतवत सिंह एवं बेअंत सिंह के द्वारा की गई। 2

**6.** (i) हमें यह सीख मिलती है कि क्षेत्रीय आकांक्षाएँ लोकतांत्रिक राजनीतिक का अभिन्न अंग है।

(ii) हमें लोक तांत्रिक वार्ता करके क्षेत्रीय आकांक्षाओं का हल निकालना चाहिए। 2

**7.** द्विध्रुवीय विश्व व्यवस्था से अभिप्राय है कि विश्व राजनीतिक में समान विचारधाराओं और नीतियों पर चलने वाले दो गुटों का अस्तित्व होना। 2

**8.** अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में वर्चस्व का अभिप्राय है किसी देश की ऐसी शक्तिशाली स्थिति जिसके कारण उसका कोई अन्य प्रतिद्वन्दी न हो और विश्व की समस्त गतिविधियाँ इसके इर्द-गिर्द घूमती हो यानि अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में शक्ति का केवल एक ही केन्द्र हो। 2

**9.** बांग्लादेश की स्थापना सन् 1971 में हुई। इसका मुख्य कारण पाकिस्तान का विभाजन था। 2

**10.** (i) विश्व शान्ति एवं सुरक्षा की स्थापना हेतु

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने हेतु। 2

**11.** (i) सैनिक क्षमता को बढ़ाना और मजबूत करना।

(ii) सुरक्षा हितों के बचाने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय नियमों और संस्थाओं को मजबूत करना।

(iii) देश की आंतरिक समस्याओं से निपटना।

(अथवा अन्य कोई ***दो*** घटक) 2

***लघु प्रश्नों के उत्तर : (मूल-बिन्दुओं के आधार पर)***

**12.** भारत में आर्थिक नियोजन को अपनाने के मुख्य ***चार*** कारण निम्नलिखित हैं :

(i) पिछड़ी हुई कृषि प्रणाली

(ii) रोजगार दिलाना

(iii) औद्योगिकीकरण अर्थात् नये उद्योगों को लगाना।

(iv) शिक्षा के क्षेत्र में काम करना। 4

**13.** गुट निरपेक्षता का अर्थ है विभिन्न सैनिक गठबन्धनों से अलग रहकर प्रत्येक अन्तर्राष्ट्रीय विषय पर स्वतन्त्र रूप से उसके गुणों व दोषों के आधार पर निर्णय लेना।

**मुख्य उद्देश्य :**

(i) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा को बढ़ावा देना।

(ii) साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद को समाप्त करना।

(iii) संयुक्त राष्ट्रसंघ के शान्ति प्रयासों तथा अन्य कार्यों में पूर्ण सहयोग करना।

(iv) नस्लीय व रंगभेद पर आधारित भेद-भावों को समाप्त करना।

(v) पूर्ण निःशस्त्रीकरण और परमाणु अस्त्रों का विशेष रूप से विरोध करना। 4

**14.** (i) अनुच्छेद 14 के अधीन सभी को कानून के समक्ष समानता।

(ii) अनुच्छेद 15 के अधीन सभी स्त्री और पुरुष समान हैं।

(iii) अनुच्छेद 16 सभी नागरिक को आजीविका अर्जित करने के लिए समान अवसर प्रदान करता है।

(iv) अनुच्छेद 19 सभी नागरिकों (स्त्री व पुरुष) को घूमने-फिरने, भाषण देने, विचार प्रकट करने की स्वतन्त्रता प्रदान करता है।

(v) अनुच्छेद 23 के अधीन महिलाओं से बेगार लेने, जबरदस्ती कार्य करवाने और महिलाओं से देह व्यापार करवाने पर प्रतिबन्ध लगाया गया है।

(vi) अनुच्छेद 39 (घ) पुरुषों और स्त्रियों दोनों को समान कार्य के लिए समान वेतन का प्रावधान करता है।

(vii) 86वें संवैधानिक संशोधन बिल के द्वारा सभी बच्चों को शिक्षा का अधिकार प्रदान किया गया है। लड़के तथा लड़कियों को समान रूप से शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार प्रदान किया गया है। 4

**15.** भारत की गुट-निरपेक्षता की नीति के मुख्य तत्त्व निम्नलिखित है :

(i) यह एक स्वतंत्र विदेश नीति है।

(ii) यह सैनिक गठबन्धनों का विरोध करती है।

(iii) यह भारतीय क्षेत्र अथवा अन्य गुट-निरपेक्ष राज्यों में महाशक्तियों के सैनिक अड्डे बनाने का विरोध करती है।

(iv) यह विश्व शान्ति की स्थापना में सहयोग देती है।

(v) इसका प्रमुख आधार सभी राष्ट्रों के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करना है।

(vi) यह साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, रंग-भेद तथा जातिवाद का विरोध करती है। 4

**16. सोवियत प्रणाली की विशेषताएँ :**

(i) केन्द्रीयकृत प्रशासन

(ii) बहुराष्ट्रीयताएँ

(iii) राज्य नियन्त्रित उन्नत अर्थव्यवस्था

(iv) राज्य द्वारा मूल सुविधाओं की आपूर्ति 4

**17.** (i) पाकिस्तान द्वारा कश्मीर के भारत के साथ विलय को स्वीकार न करना।

(ii) पाकिस्तान का भारत विरोधी प्रचार एवं जम्मू-कश्मीर के आतंकवादियों को शरण देना।

(iii) पाकिस्तान बांग्लादेश की स्थापना के लिए भारत को जिम्मेदार मानता है।

(iv) पाकिस्तान द्वारा अमेरिका तथा चीन से सैनिक हथियार व अन्य सहायता प्राप्त करना। जिसका प्रयोग वह केवल भारत के विरुद्ध कर सकता है। 4

**18. मानवाधिकार की प्रमुख चार श्रेणियाँ :**

(i) **राजनीतिक अधिकार :** इनमें देश के शासन में भाग लेना, नौकरी पाना, राष्ट्रीयता का अधिकार, शासन की सत्ता का आधार, जनता की इच्छा।

(ii) **नागरिक अधिकार :**

(a) विधि के समक्ष समता

(b) जीवन, स्वतन्त्रता तथा शरीर की सुरक्षा, दासता से मुक्ति, गुलामों की खरीद और बिक्री का निषेध, मनमाने ढंग की गिरफ्तारी।

(c) विचार, अन्तःकरण और धर्म पालन की स्वतन्त्रता।

(d) उत्पीड़न देने पर मनाही।

(iii) **सामाजिक व आर्थिक अधिकार :** विवाह करने, घर बसाना, शिक्षा प्राप्त करना, काम का अधिकार, बेरोजगारी की दिशा में सामाजिक सुरक्षा।

(iv) जातीय व मज़हबी समूहों तथा पराधीन राष्ट्रों के अधिकार राज्यों का दायित्व कि इन समूहों, विशेषकर अल्पसंख्यकों के प्रति सहिष्णुता और मैत्रीभाव बढ़ाने के प्रति कदम उठाना। 4

**19.** (i) वैश्वीकरण ने लोगों में एकता की भावना विकसित किया।

(ii) वैश्वीकरण ने ग्लोबल संस्कृति का विकास किया। अमेरिका में भारतीय रीति-रिवाजों को मनाया जा रहा है। और भारत में लोग अमेरीकन जीवन शैली को अपना रहे हैं।

(iii) शिक्षा का वैश्वीकरण से अब विद्यार्थी विश्व में कहीं भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

(iv) विश्वव्यापी व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है। सभी देश समान नियमों के अनुशासन में रहकर अपने व्यापार एवं निवेश का संचालन करते हैं। 4

**निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर :**

**20.** राष्ट्र निर्माण विश्व के सभी देशों की एक अहम समस्या है। कोई भी देश इससे अछूता नहीं रहा। भारत भी इसी समस्या का शिकार है। अभी तक हम आदर्श राष्ट्र का निर्माण करने में सफल नहीं हुए।

**बाधाएँ :**

(i) जातिवाद

(ii) भाषायी उन्माद

(iii) क्षेत्रवाद

(iv) प्रशासन का गिरता स्तर

(v) असंतुलित विकास

(vi) समतायुक्त समाज निर्माण में असफलता

(vii) साम्प्रदायिकता

(viii) गरीबी

(ix) राजनीतिक अवसरवादिता

(x) दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली

(xi) छेत्रीय दल

(xii) राष्ट्रीय चरित्र का अभाव 8

**अथवा**

**विभाजन के अच्छे परिणाम :**

(i) विभाजन से स्वतन्त्रता जल्दी प्राप्त हुई।

(ii) विभाजन के बाद कानून व व्यवस्था को बनाना आसान हो गया।

(iii) प्रारम्भ में मुस्लिम लीग ने अंतरिम सरकार में शामिल होने से इन्कार कर दिया परन्तु बाद में वह शामिल हो गई।

(iv) विभाजन के बाद पाकिस्तान व हिन्दूस्तान दोनों राज्यों में अल्पसंख्यकों के हितों की समान रूप से सुरक्षा की जा सकी।

(v) इससे भारत को विश्व पटल पर एक महाशक्ति के रूप में उभरने का मौका मिला।

**विभाजन के बुरे परिणाम :**

(i) भारत का विभाजन साम्प्रदायिता के आधार पर हुआ जिससे भारत की राष्ट्र एकता को आघात पहुँचा।

(ii) भारत विभाजन राष्ट्रीयता के आधार पर न होकर धर्म के आधार पर किया गया।

(iii) भारत विभाजन के समय भौगोलिक एकता को ध्यान में नहीं रखा गया।

(iv) भारत विभाजन से पहले ही दोनों देशों के बँटने वाले इलाकों में हिन्दू-मुस्लिम उपद्रव भड़क उठे।

**21.** 20वीं शताब्दी के अन्तिम चरण में एक ओर राष्ट्र-राज्यों की प्रभुसत्ता तथा क्षेत्रीय सीमाएँ समाप्त-सी होने लगी तो दूसरी ओर वैश्वीकरण का आरम्भ दिखाई देने लगा। वैश्वीकरण के पूर्ण सहयोग से विश्वव्यापी समस्याओं का समाधान करने लगे।

**सकारात्मक पक्ष :**

(i) राष्ट्रों का संतुलित विकास

(ii) साहचर्य एवं समानता की भावना

(iii) विश्व शान्ति को प्रोत्साहन

(iv) वैश्विक समस्याओं का सुगमता से हल

(v) ज्ञान की सम्यक भागीदारी

(vi) व्यापार तथा यातायात सम्बन्धी गतिविधियों में अभिवृद्धि

(vii) विभिन्न संस्कृतियों का मेलजोल 8

**अथवा**

वैश्वीकरण को अंग्रेजी भाषा में Globalistaion कहा जाता है। इस शब्दावली को Globe से लिया गया है। ग्लोब शब्द एक विस्तृत व व्यापक दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति करता है जिसमें कि राष्ट्रों की सीमाएँ गौण हो जाती हैं। वास्तव में, यह विश्वव्यापी दृष्टिकोण विश्व के राष्ट्रों के बीच सीमा व दूरी रहित, सामाजिक आर्थिक तथा राजनीतिक सम्बन्धों में खुलेपन की नीति को व्यक्त करता है। आज विश्व के सभी देश अपने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के रूप में अर्थव्यवस्था पर ध्यान दे रहे हैं। राष्ट्रों के बीच अब सामरिक असुरक्षा की भावना नहीं रही है। विश्व में आयी आधुनिक संचार क्रान्ति ने विश्व की दूरियों को समाप्त कर दिया और विश्व को एक ग्लोबल गाँव में बदल दिया है संक्षेप में वैश्वीकरण राष्ट्रों की राजनीतिक, सीमाओं के आर-पार लेन-देन की प्रक्रियाओं और उनके प्रबंधन का प्रवाह है। विश्व अर्थव्यवस्था में आए खुलेपन,

आपसी जुड़ाव और परस्पर निर्भरता के फैलाव को वैश्वीकरण कहा जाता है।

**उद्देश्य :**

(i) पूँजी का स्वतंत्र प्रवाह

(ii) तकनीकी का स्वतंत्र प्रवाह

(iii) व्यापार अवरोधों को कम करना

(iv) श्रम का स्वतन्त्र प्रवाह 8

**SET – D**

1. ***वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :***

(i) (ख) 1924 में

(ii) (ख) 353

(iii) (ग) श्री मोरारजी देसाई

(iv) (घ) 42वाँ संशोधन

(v) (ग) दल बदल

(vi) (ग) 1990 में

(vii) (ख) शिखर सम्मेलन (17)

(viii) (क) 1885 में $8 \times 1 = 8$

***एक शब्द में उत्तर दें :***

(ix) जुलाई 1985 में

(x) पाकिस्तान का

(xi) अमेरिका में

(xii) बराक हुसैन ओबामा $4 \times 1 = 4$

***रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :***

(xiii) काठमाण्डू में

(xiv) 1947 में

(xv) विश्व शान्ति की स्थापना करना

(xvi) पाँच $4 \times 1 = 4$

***अतिलघु प्रश्नों के उत्तर :***

**2.** देश के विभाजन के समय कश्मीर का राजा श्री हरिसिंह थे। 2

**3.** जब समाचार पत्रों की आजादी को नियन्त्रित कर दिया जाता है और कुछ भी छापने से पहले उसे सरकार की अनुमति लेनी पड़ती है तो उसे प्रेस सेंसरशिप कहा जाता है। 2

**4.** वचनबद्ध न्यायपालिका से अभिप्राय ऐसी न्यायपालिका से है जो एक दल विशेष या सरकार विशेष के प्रति वफादार हो तथा सरकार के निर्देशों एवं आदेशों के अनुसार ही चले। 2

**5.** महिला सशक्तिकरण का अर्थ है – महिलाओं के अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए समानता के आधार पर पूर्ण अवसर उपलब्ध कराना ताकि वे सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्ररूपों के समान विश्वास के साथ कार्य कर सकें। 2

**6.** इस आन्दोलन की शुरूआत सन् 1990 में हुई और इसका नेतृत्व मजदूर किसान शक्ति संगठन ने किया था। 2

**7.** केन्द्र में इस समय B. J. P. के नेतृत्व वाली NDA की सरकार कार्य कर रही है। 2

**8.** पेंटागन, अमेरिकी रक्षा विभाग का मुख्यालय है। 2

**9.** सार्क के प्रारम्भिक सदस्य देशों की संख्या 7 थी। ये देश – भारत, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव एवं श्रीलंका थे। 2

**10.** (i) संयुक्त राष्ट्रसंघ सभी सदस्यों की समानता एवं प्रभुसत्ता सम्पन्न सिद्धान्तों पर आधारित है।

(ii) सभी सदस्य अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों का निपटारा शान्तिपूर्वक ढंग से करेंगे, जिससे अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति, सुरक्षा तथा न्याय भंग न हो सके।

(iii) सभी सदस्य अपने दायित्वों की पालना करने के लिए बचन बद्ध है। (अथवा अन्य कोई ***दो*** )

**11.** युद्ध की स्थिति में किसी देश के पास मुख्यतः ***तीन*** विकल्प होते हैं :

(i) आत्मसमर्पण करना

(ii) आक्रमण करने वाले देश की शर्तें मान लेना

(iii) आक्रमणकारी देश को युद्ध में हराना

***लघु प्रश्नों के उत्तर : (मूल-बिन्दुओं के आधार पर)***

**12.** (i) राष्ट्रीय आय में वृद्धि

(ii) प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि

(iii) उत्पादन में आत्मनिर्भरता

(iv) सामाजिक विकास

(v) साक्षरता की दर में वृद्धि

कोई ***चार*** 4

**13. भारत में गुट निरपेक्षता की नीति :**

(i) भारत में आर्थिक पुनर्निर्माण

(ii) स्वतंत्र नीति निर्धारण के लिए

(iii) शान्ति का समर्थक

(iv) पंडित नेहरू का विश्वास – क्योंकि वह विश्वशान्ति तथा गुट-निरपेक्ष की नीति के प्रबल समर्थक थें। 4

**14.** क्षेत्रीयवाद का अर्थ एक देश में या देश के किसी भी अन्य भाग में उस छोटे से क्षेत्र से है, जो अपने आर्थिक, भौगोलिक, सामाजिक आदि कारणों से अपने पृथक अस्तित्व की माँग करता है।

इसके उत्तरदायी कारण :

(i) भौगोलिक एवं सांस्कृतिक कारण

(ii) भाषावाद

(iii) जातिवाद

(iv) धार्मिक कारण

(v) आर्थिक कारण

(vi) क्षेत्रीय दल

(vii) राजनीतिक कारण

(viii) अंतर्राज्जीय कारण

(ix) केन्द्रीय सेवाओं तथा विकास योजनाओं में समुचित भागीदारी न मिलना।

(x) उत्तर दक्षिण की भावनाएँ

कोई ***चार*** कारण 4

**15.** गठबन्धन की आवश्यकता तब महसूस होती है जब विधानपालिका में किसी एक राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता। गठबंधन निर्वाचन के पूर्व या पश्चात् ऐसे दलों में होते हैं जो कार्यक्रम और नीतियों में समानता रखते हैं। गठबन्धन सरकार राजनीतिक समुदायों तथा शक्तियों का गठजोड़ है जो अस्थायी और कुछ विशिष्ट प्रयोजनों के लिए होता है। राजनीतिक दलों का यह मिलन सरकारों के निर्माण या उनकी रक्षा के लिए बनाया जाता है। 4

**16. अमेरिकी वर्चस्व से निपटने के लिए प्रमुख सुझाव :**

(i) भारत, चीन और रूस को मिलकर एक शक्तिशाली गठजोड़ बनाना चाहिए।

(ii) शक्तिशाली देश और यूरोपीय संघ भी व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाए।

(iii) अमेरिकी वर्चस्व से निपटने के लिए विभिन्न देशों के आपसी सम्बन्धों में गुणात्मक सुधार लाया जाए।

(iv) राज्य से इत्तर संस्थाएँ (कलाकार, बुद्धिजीवी, मीडिया) अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। 4

**17.** सार्क चार्टर के अनुच्छेद - 1 में विभिन्न उद्देश्यों का विवरण :

(i) दक्षिणी एशिया के लोगों के कल्याण की कामना करना तथा उनकी आजीविका के स्तर में सुधार करना।

(ii) इस क्षेत्र में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति तथा सांस्कृतिक उन्नति की प्राप्ति करना और इस क्षेत्र के सभी व्यक्तियों के लिए प्रतिष्ठा के अवसर प्रदान करना।

(iii) दक्षिणी एशिया के देशों में सामूहिक आत्म-विश्वास को शक्ति देना तथा उसकों बढ़ावा देना।

(iv) अन्य विकासशील देशों के साथ सहयोग को बढ़ाना।

(v) सार्क जैसे उद्देश्यों हेतु बनी अन्य अन्तर्राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग करना। 4

**18.** मानवाधिकार वे अधिकार हैं जो प्रत्येक राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के प्राप्त होने चाहिए। ये अधिकार मनुष्यों के विकास के लिए अति आवश्यक है। भारत इन अधिकारों का प्रबल समर्थक है।

(i) भारत का यह मानना है कि आधुनिक युग में कोई भी स्वतंत्र व लोकतांत्रिक देश मानव अधिकारों के बिना न तो प्रगति कर सकता है और न ही उस देश में शान्ति स्थापित रह सकती है।

(ii) मानव अधिकार मनुष्य की प्रगति और विकास के लिए अति आवश्यक है। भारत इस तर्क पर इन अधिकारों का समर्थन करता है।

(iii) भारत अपनी विदेश नीति के अन्तर्गत विश्व शान्ति और मानवता के उत्थान में विश्वास रखता है। इस कारण भी वह इन अधिकारों का प्रबल समर्थक है। 4

**19. वैश्वीकरण का राजनैतिक पक्ष :**

(i) राज्य के स्वरूप में परिवर्तन

(ii) राज्य के सीमित कार्य

(iii) निर्णय प्रभावित होते हैं। वैश्वीकरण के कारण विकासशील देशों में बहुराष्ट्रीय निगमों का आगमन हुआ और उनकी भूमिका बढ़ी, इसने सरकारों को अपने दम पर निर्णय लेने की शक्ति को प्रभावित किया है जिससे राज्यों की राष्ट्रीय शक्ति प्रभावित हुई है। 4

**निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर :**

**20.** भारत 15 अगस्त 1947 को एक लम्बी दासता के बाद स्वतन्त्र हुआ लेकिन जब यह स्वतंत्र हुआ तो इसके सामने चुनौतियाँ थीं :

(i) **एकता की स्थापना :** आजादी के बाद देश को एकता के ऐसे सूत्र में बाँधने की जरूरत थी जिससे कि सामाजिक विविधता बनी रहे।

(ii) **लोकतन्त्र की स्थापना :** स्वतंत्र भारत के लिए लोकतंत्र की स्थापना करना एक चनौती भरा कार्य था। संविधान निर्माताओं ने संसदीय लोकतंत्र को अपनाया और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार तथा समयबद्ध चुनाव की व्यवस्था की।

(iii) **समाजमूलक विकास :** देश का इस प्रकार विकास करना जिससे कि सम्पूर्ण समाज का भला हो सके न कि कुछ गिने चुने वर्गों का। 8

**अथवा**

भारत के स्वतंत्र होने के तुरन्त बाद देश में भाषा एक विवाद बनकर उभरी। संविधान निर्माण के समय संविधान सभा के अनेक सदस्य हिन्दी को सरकारी भाषा घोषित करने के पक्ष में थे। लेकिन गैर हिन्दी भाषी क्षेत्रों : विशेषकर दक्षिण राज्यों ने इसका विरोध किया मगर यह निर्णय लिया गया कि हिन्दी भारत की सरकारी भाषा होगी लेकिन अगामी 15 सालों के लिए केन्द्र सरकार के लिए

अंग्रेजी को कामों के लिए जारी रखा जाएगा। मगर 15 सालों के बाद गैर हिन्दी भाषी राज्यों विशेष तौर से मद्रास, केरल और पश्चिम बंगाल में इसके विरोध में भारी प्रदर्शन व दंगे हुए। गैर हिन्दी भाषी राज्यों में हिन्दी और अंग्रेजी के साथ-साथ हिन्दी पढ़ाए जाने की व्यवस्था की गयी। लेकिन त्रिभाषा फार्मूला मज़ाक बन कर रह गया और सरकारी भाषायी विवाद को समूचित हल नहीं हुआ। समूचे देश में भाषा के आधार पर राज्यों के निर्माण की माँग जोर पकड़ने लगी। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिश पर 1956 में देश को 14 राज्यों और 6 केन्द्र शासित प्रदेशों में बाँट दिया गया किन्तु फिर भी यह समस्या हल नहीं हुई और आज भी भाषा के आधार पर अलग राज्य बनाने की माँग जारी है।

**21.** वैश्वीकरण एक विवादास्पद मुद्दा है इसलिए कुछ विद्वान इसका समर्थन करते हैं तो कुछ विरोध करते हैं।

**नकारात्मक पक्ष :**

(i) वैश्वीकरण के कारण धनी लोग अधिक धनी एवं निर्धन लोग और अधिक निर्धन हुए हैं।

(ii) इसके कारण विशाल बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की एकाधिकारी प्रवृत्ति बढ़ी है।

(iii) विकासशील देशों के घरेलू उद्योगों को बहुत नुकसान हुआ है।

(iv) वैश्वीकरण के नाम पर, देशों पर, पश्चिमी संस्कृति एवं मूल्य लादे जा रहे हैं।

(v) वैश्वीकरण के कारण राज्यों ने कल्याणकारी कार्यों से अपने हाथ खींच लिए हैं। 8

**अथवा**

संयुक्त राष्ट्र की परिभाषा के अनुसार मूलवासी उन लोगों के वंशज होते हैं जो किसी भू-भाग में लम्बे समय से रहते चले आ रहे हैं लेकिन जो आगे चलकर किसी दूसरी संस्कृति या जातीय मूल के लोगों द्वारा अपने अधीन कर लिए गए हों। मूलवासी जिस भी देश में रहते हैं, उस देश की संस्थाओं के अनुरूप आचरण करने से ज्यादा ये अपनी संस्कृति, परम्परा और रीति-रिवाज के अनुरूप आचरण करते हैं।

**अधिकार :**

(i) मूलवासियों को विश्व में बराबरी का दर्जा दिया जाएँ।

(ii) मूलवासियों को अपनी पहचान बनाए रखने वाले समुदाय के रूप में स्वीकार किया जाएँ।

(iii) मूलवासियों के क्षेत्र में आने वाले प्राकृतिक संसाधनों का दूरुपयोग न किया जाएँ।

(iv) मूलवासियों को देश के विकास से होने वाला लाभ दिया जाए। 8